करेंट अफेयर्स

राजस्थान

(संग्रह)

अगस्त 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान **3**

- राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, 2011 3
- गाँठदार त्वचा रोग 3
- भीलवाड़ा के अश्विनी विश्नोई ने U-17 WWC में स्वर्ण पदक जीता 4
- राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS) 5
- जैसलमेर को मराठा साम्राज्य का हिस्सा मानने पर विवाद 6
- राजस्थान के सरकारी अस्पताल में CAR-T सेल थेरेपी सुविधा 9
- राजस्थान में पहली लिंग-वर्गीकृत वीर्य प्रयोगशाला 11
- BSF ने 'ऑपरेशन अलर्ट' शुरू किया 12
- अरावली हरित विकास परियोजना 14
- देश का पहला ड्रोन-आधारित क्लाउड सीडिंग प्रयोग 15
- लेसर फ्लोरिकन संरक्षण संकट 17
- अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर HIV-एड्स जागरूकता अभियान 17
- पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना 19
- राजस्थान में सर्वश्रेष्ठ सरपंच 19
- राजस्थान का करियर मार्गदर्शन पोर्टल 20
- राजस्थान की प्री-प्राइमरी कक्षाओं में संस्कृत 21
- राजस्थान में 'भाषा प्रयोगशाला' की स्थापना 22
- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (PMFME) 23
- जैसलमेर में जीवाश्मों की खोज 24
- पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस 25
- विलायती बबूल का उन्मूलन 26

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

राजस्थान

राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, 2011

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्य योजना 2025–26 के अंतर्गत जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में **पीड़ित प्रतिकर योजना** की बैठक जुलाई 2025 में आयोजित की गई।

- इस बैठक में समिति द्वारा पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत कुल **14.25 लाख रुपए** की प्रतिकर राशि को स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्य बिंदु

- **राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, 2011:**
  - इसका उद्देश्य पीड़ितों या उनके आश्रितों को **चिकित्सा व्यय**, **पुनर्वास** और अंतिम संस्कार लागत के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
  - **ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA)** या **राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (SLSA)** द्वारा प्रशासित यह योजना उन पीड़ितों को सहायता प्रदान करती है, जिन्हें किसी अन्य योजना के तहत मुआवज़ा नहीं मिला है।
- **राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण:**
  - राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (SLSA) का गठन **विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987** के तहत संविधान के अनुच्छेद 39A के अधिदेश को क्रियान्वित करने के लिये किया गया है, जो **समान न्याय** और **निःशुल्क कानूनी सहायता** सुनिश्चित करता है।
  - प्रत्येक राज्य सरकार समाज के कमज़ोर वर्गों को निःशुल्क एवं सक्षम कानूनी सेवाएँ प्रदान करने तथा विवादों के **त्वरित समाधान** के लिये **लोक अदालतों** का आयोजन करने हेतु राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (SLSA) की स्थापना करती है।
  - SLSA का नेतृत्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा किया जाता है, जो इसके **मुख्य संरक्षक** होते हैं तथा उच्च न्यायालय के वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश कार्यकारी अध्यक्ष होते हैं (जिन्हें मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राज्यपाल द्वारा नामित किया जाता है)।
  - यह सुनिश्चित करता है कि **आर्थिक या सामाजिक बाधाओं** के बावजूद **न्याय सुलभ, समावेशी और सस्ता** हो।

गाँठदार त्वचा रोग

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के सिरोही ज़िले में गायों में गाँठदार त्वचा रोग (LSD) के नए मामले सामने आए हैं, जबकि तीन वर्ष पूर्व यह रोग इस क्षेत्र में व्यापक स्तर पर तबाही का कारण बना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

गाँठदार त्वचा रोग के बारे में:

- **कारण:** LSD मवेशियों या भैंस के **लंपी स्किन डिज़ीज़ वायरस (LSDV)** के संक्रमण के कारण होता है।
  - **खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के अनुसार, LSD की मृत्यु दर 10% से कम है।**
- **'गाँठदार त्वचा रोग' को पहली बार वर्ष 1929 में जाम्बिया में एक महामारी** के रूप में देखा गया था। प्रारंभ में यह या तो ज़हर या कीड़े के काटने का अतिसंवेदनशील परिणाम माना जाता था।
- **संक्रमण:**
  - गाँठदार त्वचा रोग मुख्य रूप से **काटने वाले कीड़ों (वेक्टर)** जैसे मच्छरों और मक्खियों के माध्यम **से जानवरों में फैलता है।**
- **लक्षण:**
  - इस रोग से संक्रमित गायों की त्वचा पर **गाँठें** दिखाई देती हैं, जिससे **दूध उत्पादन में गिरावट** आ सकती है और गंभीर स्थिति में पशु की मृत्यु भी हो सकती है।
  - इसमें मुख्य रूप से **बुखार**, आँखों और नाक से स्राव, मुँह से लार टपकना तथा शरीर पर छाले पड़ना शामिल है।
- **रोकथाम और उपचार:**
  - इन रोगों के विरुद्ध टीकाकरण, भारत सरकार की **पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम** के अंतर्गत किया जाता है।
  - गाँठदार त्वचा रोग के उपचार के लिये **कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा उपलब्ध नहीं** है। इसका उपलब्ध **एकमात्र उपचार मवेशियों की उचित देखभाल** है।
  - इसमें घावों की देखभाल, स्प्रे का उपयोग करके त्वचा के घावों का उपचार और द्वितीयक त्वचा संक्रमण तथा निमोनिया को रोकने के लिये एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग शामिल हो सकता है।
  - प्रभावित जानवरों की भूख को बनाए रखने के लिये एंटी-इंफ्लेमेटरी (Anti-Inflammatories) दर्द निवारक **औषधियों का उपयोग** किया जा सकता है।

भीलवाड़ा के अश्विनी विश्नोई ने U-17 WWC में स्वर्ण पदक जीता

चर्चा में क्यों?

भीलवाड़ा के अश्विनी विश्नोई ने ग्रीस के एथेंस में (28 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक) आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC) में **स्वर्ण पदक** जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल में उज़्बेकिस्तान की मुकायो राखिमजोनोवा को 3-0 से हराया।

- इस जीत के साथ वह इस **प्रतिष्ठित खिताब** को जीतने वाली **राजस्थान की पहली महिला पहलवान** बन गई हैं।

मुख्य बिंदु

- पहले मुकाबले में उन्होंने उज़्बेकिस्तान **की पहलवान मुकायो राखिमजोनोवा को हराया।**
- इसके बाद उन्होंने कज़ाकिस्तान की पहलवान के खिलाफ अपना दूसरा मुकाबला जीता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- अश्विनी फाइनल में पहुँचीं, जहाँ उन्होंने 65 किग्रा वर्ग में चीन की जियाओ के विरुद्ध आसान जीत दर्ज करते हुए **स्वर्ण पदक** अपने नाम किया।
- पिछले दो वर्षों में अश्विनी ने न केवल **राष्ट्रीय स्तर पर पहचान** बनाई है, बल्कि पाँच **अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक** जीतकर वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को **मज़बूत** किया है।
- उन्होंने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप तथा विश्व कुश्ती चैंपियनशिप सहित अनेक प्रतियोगिताओं में **स्वर्ण पदक** हासिल किये हैं।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप (WWC)

- विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) द्वारा किया जाता है।
- UWW कुश्ती के खेल की अंतर्राष्ट्रीय नियामक संस्था है, जिसमें ग्रीको-रोमन कुश्ती (केवल पुरुष) और फ्रीस्टाइल कुश्ती (पुरुष और महिला) दोनों शामिल हैं।
- UWW का मुख्यालय कोर्सियर-सुर-वेवे, **स्विट्ज़रलैंड** में है।

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS)

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिये राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS) के तहत 765.78 करोड़ रुपए की निवेश प्रोत्साहन राशि वितरित की है।

मुख्य बिंदु

- **RIPS 2024 के बारे में:**
  - यह राजस्थान सरकार की **प्रमुख योजना** है, जिसका उद्देश्य विनिर्माण, सेवाएँ, नवीकरणीय ऊर्जा, MSME, स्टार्टअप और **सनराइज़ सेक्टर** जैसे क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना है।
  - यह योजना अक्तूबर 2023 में यूके रोड शो के दौरान प्रारंभ की गई थी और इसका संचालन **31 मार्च 2029** तक किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर इसमें संशोधन भी किया जा सकता है।
- **प्राथमिक क्षेत्र और श्रेणियाँ:**
  - इस योजना के अंतर्गत **विनिर्माण**, **सेवाएँ**, **सनराइज़ सेक्टर**, MSME, स्टार्टअप, औद्योगिक अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, अनुसंधान एवं विकास (R&D) तथा **ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर** जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।
  - इसके अतिरिक्त, योजना में महिलाओं, युवाओं तथा स्टार्टअप्स पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है।
  - लॉजिस्टिक अवसंरचना में निवेश करने के लिये न्यूनतम निवेश सीमा निर्धारित की गई है, जिसमें वेयरहाउस अथवा कोल्ड चेन हेतु 2 करोड़ रुपए, जबकि मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क हेतु 50 करोड़ रुपए का निवेश आवश्यक है।
- **प्रमुख प्रोत्साहन:**
  - **पूंजीगत सब्सिडी:** कुछ क्षेत्रों के लिये पात्र निवेश का 28% तक।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **SGST प्रतिपूर्ति:** एक निर्धारित अवधि के लिये राज्य GST का 75% तक।
- **स्टांप ड्यूटी प्रतिपूर्ति:** अधिकतम 75% की छूट तथा शेष राशि की प्रतिपूर्ति।
- **नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष ध्यान:**
  - बिजली शुल्क में 100% छूट, **स्टांप शुल्क** और **परिवर्तन शुल्क** में 75% छूट (शेष प्रतिपूर्ति), **बैंकिंग** तथा **ट्रांसमिशन छूट** एवं हरित हाइड्रोजन व ऊर्जा भंडारण के लिये विशेष प्रोत्साहन।

पात्रता:

- यह प्रोत्साहन नए/विस्तार निवेश और उन परियोजनाओं के लिये लागू हैं, जो या तो नीति की प्रभावी अवधि में या अधिकार प्राप्ति के दो वर्षों के भीतर व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ करें,जो भी बाद में हो।
- पात्र इकाइयाँ **राजनिवेश पोर्टल** के माध्यम से सिंगल-विंडो क्लीयरेंस प्रणाली का लाभ ले सकती हैं, जिससे आवेदन और अनुमोदन प्रक्रिया सरल हो जाती है।

कार्यान्वयन और विस्तार:

- **राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024** के अनुसार, राजस्थान ने अब तक 35 लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं, जिनमें से 4.12 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएँ कार्यान्वयन की प्रक्रिया में हैं।
- घरेलू और वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने हेतु नियमित भागीदारी सम्मेलन तथा रोड शो आयोजित किये जा रहे हैं।
- राजस्थान सरकार 11-12 दिसंबर 2025 को जयपुर में राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन करेगी, जिसका उद्देश्य उद्योग जगत के अग्रणी संस्थानों, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ साझेदारी को मज़बूत करना और राज्य में निवेश एवं सहयोग की गति को निरंतर बनाए रखना है।

राजस्थान के बारे में मुख्य तथ्य

- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का **सबसे बड़ा राज्य है।**
  - यह लगभग 3.42 लाख वर्ग किमी के भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ है, जो भारत के कुल भूमि क्षेत्र का **10.41%** है।
- यह देश के **उत्तर-पश्चिमी भाग** में स्थित है और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा गुजरात राज्यों से घिरा हुआ है।
- वित्त वर्ष 2023-24 के लिये राजस्थान का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) **182.02 बिलियन अमेरिकी डॉलर** रहा; वहीं स्थिर मूल्यों (2011-12) पर **GSDP वृद्धि दर 8.03%** रही।

जैसलमेर को मराठा साम्राज्य का हिस्सा मानने पर विवाद

चर्चा में क्यों ?

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) की पाठ्यपुस्तक में जैसलमेर को मराठा साम्राज्य का हिस्सा दर्शाए जाने के दावे के बाद एक ऐतिहासिक विवाद उत्पन्न हो गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

जैसलमेर और मराठा संबंधों पर इतिहासकारों के मत

- **राजपूतों के तर्क:**
  - जैसलमेर के 44वें महारावल, **चैतन्य राज सिंह** के नेतृत्व में शाही परिवार ने इस चित्रण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे एक **गंभीर ऐतिहासिक त्रुटि** करार दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जैसलमेर पर **मराठों के प्रभाव का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं** है। यह क्षेत्र मुगलों एवं अंग्रेज़ों सहित विभिन्न आक्रांताओं के दौर में भी स्वतंत्र बना रहा।
  - ऐतिहासिक विवरणों से स्पष्ट होता है कि क्षेत्र के राजपूत शासकों ने अपनी **सत्ता एवं संप्रभुता** की रक्षा की तथा जैसलमेर में न तो मराठा हस्तक्षेप हुआ और न ही कोई कराधान (taxation) लागू किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मराठों के तर्क:**
  - मराठा इतिहासकार वर्ष **1752 के अहदनामा** (जिसे **मुगल सम्राट अहमद शाह बहादुर** और मराठा सेनानायक **मल्हारराव होल्कर तथा माधवराव शिंदे** के बीच किया गया समझौता माना जाता है) का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि यद्यपि मराठों का जैसलमेर पर दिन-प्रतिदिन का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं था, तथापि जैसलमेर सहित राजपूत राज्यों से **चौथ** और **सरदेशमुखी** कर वसूले जाते थे।
  - पुणे के इतिहासकार पांडुरंग बलकवाडे ने **पेशवा प्रशासन** के अभिलेखों का हवाला दिया है, जिनके अनुसार **अजमेर (मेवाड़) क्षेत्र** से नियमित रूप से **चौथ वसूली** का उल्लेख मिलता है।
- **जैसलमेर**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्थान एवं महत्त्व:** जैसलमेर, जिसे अक्सर "**स्वर्ण नगरी**" कहा जाता है, **पश्चिमी राजस्थान** में **पाकिस्तान सीमा** और थार रेगिस्तान के निकट स्थित है।
- इसका प्रमुख स्थल **जैसलमेर किला** है, जिसे **सोनार किला (स्वर्ण किला)** भी कहा जाता है, जो एक **जीवित किला** होने के कारण अद्वितीय है।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** जैसलमेर की स्थापना वर्ष **1156** में **यदुवंशी वंश** के वंशज **रावल जैसल** ने की थी। **लोदुर्वा** की गद्दी से वंचित होने के बाद, जैसल ने **ऋषि ईसुल** (स्थानीय साधु) की भविष्यवाणी के अनुसार एक नई राजधानी की तलाश की।
- **सांस्कृतिक विरासत:** जैसलमेर की **सांस्कृतिक** और **स्थापत्य सुंदरता** इसकी **राजपूत विरासत** से प्रभावित है, जिसमें **भाटी राजपूतों** का भी प्रभाव है।
- **भूवैज्ञानिक महत्त्व:** जैसलमेर में **वुड फॉसिल पार्क (आकल)** में **थार रेगिस्तान** के जीवाश्मों को प्रदर्शित किया गया है, जो **180 मिलियन वर्ष पुराने भूवैज्ञानिक इतिहास** की झलक दिखाते हैं।
- **स्वतंत्रता के बाद:** जैसलमेर राज्य ने **7 अप्रैल 1949** को **भारत के साथ विलय पत्र** पर हस्ताक्षर किये और भारतीय संघ **में विलय** हो गया।

मराठा

- **उद्गम एवं भाषा:**
  - **मराठा**, जिनकी भाषा **मराठी** है, दक्कन के पठार के मूल निवासी हैं, जो मुख्यत: वर्तमान **महाराष्ट्र** में स्थित हैं।
- **शिवाजी महाराज और मराठा शक्ति का उदय:**
  - वर्ष 1630 में जन्मे शिवाजी, **भोंसले वंश** से संबंधित थे और उन्होंने स्वराज्य (सत्ता/संप्रभुता) स्थापित करने का लक्ष्य रखा।
  - मात्र **16 वर्ष की आयु** में उन्होंने **पुणे क्षेत्र** के किलों पर नियंत्रण प्राप्त करना प्रारंभ किया और अपना प्रभाव बढ़ाया।
  - उन्होंने **बीजापुर सल्तनत** के विरुद्ध **गुरिल्ला युद्ध रणनीति** अपनाई और **अफज़ल खान** जैसे सेनापतियों को पराजित किया।
  - शिवाजी की मृत्यु के बाद, संभाजी **(शिवाजी के पुत्र)** छत्रपति बने। उन्हें औरंगजेब ने बंदी बनाकर मृत्युदंड दे दिया।
- **मराठा संगठनात्मक परिवर्तन:**
  - शिवाजी की मृत्यु के पश्चात **मराठा सत्ता विकेंद्रीकृत** हो गई और पेशवा का प्रभाव बढ़ गया।
  - मराठों ने **पूरे भारत में विस्तार किया** और कुछ समय के लिये **लाहौर, अटक** तथा **पेशावर** के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण किया।

राजस्थान के सरकारी अस्पताल में CAR-T सेल थेरेपी सुविधा

चर्चा में क्यों ?

जयपुर स्थित **SMS अस्पताल**, राजस्थान का पहला **सरकारी अस्पताल** बन जाएगा जहाँ CAR-T सेल थेरेपी की सुविधा के साथ एक **समर्पित क्लिनिकल हेमेटोलॉजी (DCH)** विभाग स्थापित किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **SMS अस्पताल के बारे में:**
  - इस अस्पताल में **क्लीनिकल हीमेटोलॉजी विभाग (DCH)** की स्थापना **हीमेटोलॉजिकल कैंसर** और रक्त संबंधी विकारों (जिसमें ब्लीडिंग डिसऑर्डर तथा बोन मैरो ट्रांसप्लांट शामिल हैं) के उपचार हेतु की गई है।
  - यह नया विभाग अब **CAR-T सेल थेरेपी** जैसी **उन्नत उपचार सुविधा** प्रदान करेगा, जो अब तक केवल राज्य के निजी अस्पतालों में ही उपलब्ध थी।
  - हालाँकि यह विभाग वर्तमान में SMS अस्पताल में संचालित है, परंतु इसे बेहतर ढाँचे और सुविधाओं के लिये भविष्य में **स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट** में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।
- **CAR-T सेल थेरेपी:**
  - **परिचय:**
    - CAR-T सेल थेरेपी (Chimeric Antigen Receptor T-Cell Therapy) भारत की पहली स्वदेशी जीन थेरेपी है, जो कैंसर के उपचार के लिये विकसित की गई है।
    - यह नवीन चिकित्सा आनुवंशिक संशोधनों पर आधारित थेरेपी है, जो विशेष रूप से रक्त कैंसर जैसे कुछ प्रकार के कैंसर के लिये **आशाजनक उपचार** प्रदान करती है।
    - इस प्रक्रिया में रोगी की **टी-कोशिकाएँ** (प्रतिरक्षा कोशिकाएँ) रक्त से निकाली जाती हैं और उन्हें आनुवंशिक रूप से संशोधित किया जाता है ताकि वे कैंसर कोशिकाओं की पहचान कर उन्हें नष्ट कर सकें।
    - संशोधित कोशिकाओं को **चिमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (CAR) टी-कोशिकाएँ** कहा जाता है, जिन्हें शरीर में पुन: प्रविष्ट कर **B -कोशिकाओं को लक्षित** किया जाता है और पुनरावृत्ति को रोका जाता है।
    - यह थेरेपी भारत में अंतर्राष्ट्रीय लागत के दसवें हिस्से में विकसित की गई है, जिससे यह भारतीय रोगियों के लिये अधिक सुलभ बन गई है।
  - **महत्त्व:**
    - **भारत की CAR-T सेल थेरेपी** एक अतिरिक्त और रोगी-विशिष्ट उपचार विकल्प प्रदान करती है, क्योंकि संशोधित टी-कोशिकाएँ शरीर में बनी रहती हैं तथा **कैंसर की पुनरावृत्ति के विरुद्ध दीर्घकालिक प्रतिरक्षा** प्रदान करती हैं।
    - यह एक **रोगी-विशिष्ट उपचार** है, जो पारंपरिक कीमोथेरेपी की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी है।
    - उल्लेखनीय है कि **जयपुर की** 82 वर्षीय महिला देश में **CAR-T थेरेपी** प्राप्त करने वाली **सबसे वृद्ध महिला** बन गई हैं।
- **NexCAR19:**
  - वर्ष 2023 में **NexCAR19** भारत की पहली अनुमोदित स्वदेशी CAR-T सेल थेरेपी बनी, जिसे **IIT बॉम्बे**, **टाटा मेमोरियल सेंटर** और **इम्यूनोएक्ट** (IIT बॉम्बे में स्थापित एक स्टार्टअप) के सहयोग से विकसित किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

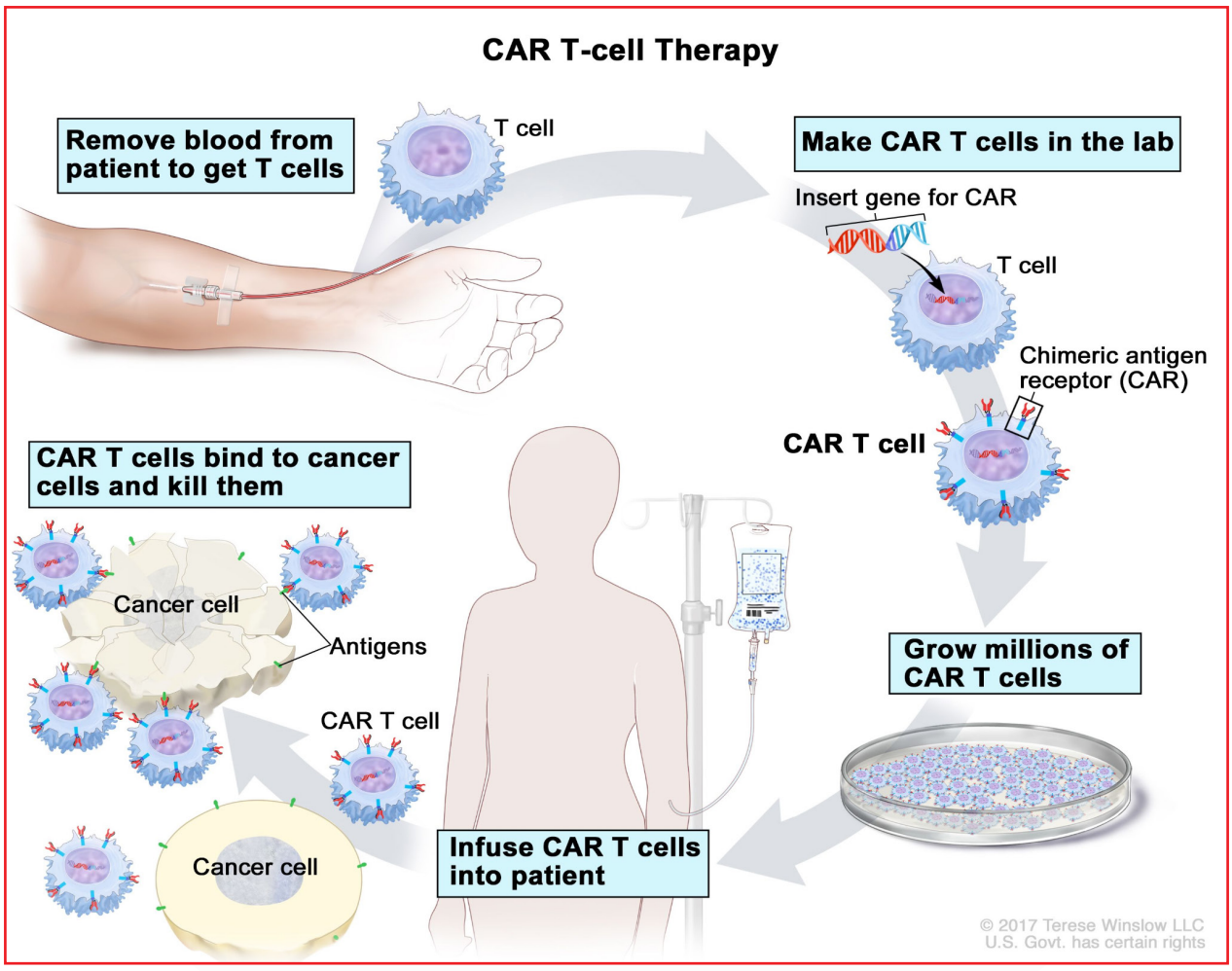

राजस्थान में पहली लिंग-वर्गीकृत वीर्य प्रयोगशाला

चर्चा में क्यों ?

11 अगस्त, 2025 को दुग्ध मंत्री जोराम कुमावत द्वारा **राजस्थान में पशुओं के लिये पहली लिंग-वर्गीकृत वीर्य प्रयोगशाला का** उद्घाटन बस्सी, जयपुर में किया गया। इसका उद्देश्य राज्य में पशुधन की गुणवत्ता, नस्ल सुधार और दूध उत्पादन को बढ़ाना है।

मुख्य बिंदु

- **प्रयोगशाला के बारे में:**
  - **संचालन:** यह प्रयोगशाला गुजरात के आनंद स्थित राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के सहयोग से **राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (RCDF)** के अधीन संचालित होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- बस्सी वीर्य स्टेशन के प्रबंधन और संचालन के लिये RCDF, **राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड (RLDB) तथा NDDB डेयरी सर्विसेज (NDS)** द्वारा एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गए।
- इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य राजस्थान में कृत्रिम गर्भाधान के लिये **पारंपरिक और लिंग-आधारित वीर्य डोज़** के उत्पादन तथा आपूर्ति को बढ़ाना है।

- **उद्देश्य एवं प्रभाव:**
  - प्रयोगशाला का उद्देश्य पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान के लिये सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाले वीर्य की डोज़ उपलब्ध कराकर क्षेत्र में बेहतर दूध उत्पादन के लिये पशु आनुवंशिकी को बढ़ाना है।
- **उत्पादन और मूल्य निर्धारण:**
  - प्रयोगशाला की वार्षिक उत्पादन क्षमता **10 लाख वीर्य डोज़ की है,** जिसमें लिंग-वर्गीकृत, स्वदेशी पारंपरिक और आयातित नस्ल के वीर्य के आधार पर अलग-अलग मूल्य निर्धारण होता है तथा **अतिरिक्त डोज़ बाज़ार दरों पर** अन्य एजेंसियों को बेची जा सकती है।
- **महत्त्व:**
  - बस्सी वीर्य स्टेशन राजस्थान में एक प्रमुख संसाधन बनने जा रहा है, न केवल वीर्य उत्पादन के लिये बल्कि **पशुपालकों के लिये एक शैक्षिक और सहायता केंद्र के रूप में भी,** जो इस क्षेत्र में डेयरी उद्योग के **आर्थिक** तथा **पर्यावरणीय लक्ष्यों को** आगे बढ़ाएगा।

BSF ने 'ऑपरेशन अलर्ट' शुरू किया

चर्चा में क्यों ?

सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने राजस्थान में भारत-पाक सीमा पर **'ऑपरेशन अलर्ट'** नामक एक सप्ताह तक चलने वाला सुरक्षा अभियान शुरू किया है।

मुख्य बिंदु

- **ऑपरेशन के बारे में:**
  - 11 **से 17** अगस्त, 2025 तक चलने वाले इस ऑपरेशन का उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा को मज़बूत करना और घुसपैठ के किसी भी प्रयास को रोकना है।
- **उद्देश्य:**
  - संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर **श्रीगंगानगर** और **बीकानेर** से लगे क्षेत्रों में निगरानी मज़बूत कर घुसपैठ तथा तस्करी को रोकना।
  - खुफिया रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान में *इंटर-सर्विसेज़ इंटेलिजेंस* (ISI) के नेताओं द्वारा संभावित अशांति फैलाने की योजना का जवाब देना।
  - ड्रोन के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी **को रोकना**, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ ऐसी गतिविधियाँ होने की संभावना है।
- **शामिल कर्मी:**
  - BSF के सभी शाखाओं के जवान और अधिकारी इस अभियान में भाग ले रहे हैं तथा संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त जवान तैनात किये गए हैं।
  - BSF जागरूकता और सहयोग बढ़ाने के लिये सीमावर्ती निवासियों के साथ **संपर्क कार्यक्रम भी आयोजित करेगा।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले भारत के सात सुरक्षा बल शामिल हैं।

असम राइफल्स (AR)

- **स्थापना:** वर्ष 1835, मिलिशिया के रूप में जिसे 'कछार लेवी' के नाम से जाना जाता था।
  - **पूर्ववर्ती उद्देश्य:** ब्रिटिश चाय बागानों की रक्षा करना।
- **वर्तमान उद्देश्य:**
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाना।
  - भारत-चीन और भारत-म्याँमार सीमाओं पर सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- **महत्त्वपूर्ण भूमिका:**
  - भारत-चीन युद्ध, 1962
  - श्रीलंका के लिये भारतीय शांति रक्षा सेना (IPKF) (1987) के रूप में।

आदिवासी इलाकों से लंबे जुड़ाव के कारण असम राइफल्स को 'उत्तर पूर्व का मित्र' भी कहा जाता है

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- **स्थापना:** वर्ष 1965
- **उद्देश्य:**
  - पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के साथ भूमि सीमाओं को सुरक्षित करना।
  - साथ ही कश्मीर घाटी में घुसपैठ की समस्याओं को रोकना।
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में उग्रवाद का मुकाबला करना।
  - ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान चलाना।
- **विंग:** एयर विंग, समुद्री विंग, आर्टिलरी रेजीमेंट और कमाण्डो यूनिट्स।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) भारत का पहला लाइन ऑफ़ डिफेंस और विश्व का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- **स्वतंत्रता-पूर्व स्थापना:** वर्ष 1939 (क्राउन रिप्रेजेंटेटिव्स पुलिस)।
- **स्वतंत्रता के पश्चात्:** वर्ष 1949 - CRPF अधिनियम के तहत, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के रूप में नामित किया गया।
- **उद्देश्य:** भीड़ नियंत्रण, दंगा नियंत्रण, काउंटर मिलिटेंसी/उग्रवाद संचालन, आदि।

CRPF आंतरिक सुरक्षा के लिये प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)

- **स्थापना:** वर्ष 1962।
- **उद्देश्य:**
  - काराकोरम दर्रे (लद्दाख) से जचेप ला (अरुणाचल प्रदेश) तक सीमा पर तैनात (भारत-चीन सीमा का 3488 कि.मी. कवर करती है)।
  - भारत-चीन सीमा के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में 9000 फीट से 18700 फीट की ऊँचाई पर स्थित सीमा चौकियों की निगरानी।

ITBP एक विशेष पर्वतीय सैन्य बल है; जिसे प्राकृतिक आपदाओं का प्रथम प्रतिक्रियाकर्त्ता कहा जाता है

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)

- **स्थापना:** वर्ष 1984 (1986 में अस्तित्व में आया), **ऑपरेशन ब्लू स्टार** के पश्चात्।
- **उद्देश्य:** आतंकवाद-रोधी इकाई/संघीय आकस्मिक बल।
- **टास्क ओरिएंटेड फोर्स- दो पूरक शाखाएँ:**
  - स्पेशल एक्शन ग्रुप (SAG)।
  - स्पेशल रेंजर ग्रुप (SRG)।

सशस्त्र सीमा बल (SSB)

- **स्थापना:** वर्ष 1963
- **उद्देश्य:**
  - भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमाओं की रक्षा करना।
  - सीमा सुरक्षा बढ़ाना, सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाना, अनधिकृत प्रवेश/निकास को रोकना, तस्करी रोकना, आदि।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)

- **स्थापना:** केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 के तहत।
- **उद्देश्य:** महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

CISF एक विशेष फायर विंग वाली एकमात्र CAPF यूनिट है

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

अरावली हरित विकास परियोजना

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार ने **अरावली पर्वतमाला** के किनारे 19 ज़िलों में 3,700 हेक्टेयर क्षेत्र में पारिस्थितिकी पुनरुद्धार और मरुस्थलीकरण नियंत्रण के उद्देश्य से **अरावली हरित विकास परियोजना** शुरू की है।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - पाँच वर्षों तक चलने वाली **250 करोड़ रुपए** की इस परियोजना का उद्देश्य **अरावली पारिस्थितिकी तंत्र** को बहाल करना, भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण से निपटना है, जिसमें पहले वर्ष **वृक्षारोपण** पर तथा अगले वर्ष **रखरखाव** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - यह परियोजना **अरावली ग्रीन वॉल** परियोजना के अनुरूप है जिसका उद्देश्य दिल्ली से अहमदाबाद तक अरावली में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना है।
- **भौगोलिक लक्ष्य:**
  - यह परियोजना अलवर से सिरोही तक **19 ज़िलों** में फैली हुई है, जो लगभग **550 किलोमीटर** (राजस्थान में अरावली पर्वतमाला का 80%) क्षेत्र को कवर करती है।
- **निगरानी और निरीक्षण:**
  - इस परियोजना की निगरानी **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** द्वारा वनस्पतियों तथा जीवों की बहाली, भूजल स्तर में परिवर्तन एवं सूक्ष्म जलवायु परिवर्तन जैसे संकेतकों का उपयोग करके की जाएगी।
- **परियोजना लक्ष्य:**
  - बिगड़ते **अरावली पारिस्थितिकी तंत्र** की बहाली।
  - थार रेगिस्तान से आने वाले **रेतीले तूफानों** को **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR)** तक पहुँचने से रोकना, उत्तर भारत के लिये एक **पारिस्थितिक रक्षा तंत्र** के रूप में कार्य करेगा।
  - **मृदा अपरदन**, **मरुस्थलीकरण** और वनों की कटाई के प्रतिकूल प्रभावों से निपटना।
  - **जैवविविधता**, भूजल पुनर्भरण और दीर्घकालिक पारिस्थितिक स्थिरता में सुधार करने में मदद करता है।
- **वृक्षारोपण रणनीति:**
  - मृदा स्थिरीकरण के लिये देशी और **जलवायु-लचीली प्रजातियाँ**, जिनमें **खेजड़ी** (राज्य वृक्ष), **बबूल, ढाक, नीम, बेर** तथा सेवन व धामन जैसी देशी घासें शामिल हैं।
  - विभिन्न जलवायु (सीकर में शुष्क क्षेत्र से लेकर डूंगरपुर और सिरोही में आर्द्र क्षेत्र) के प्रति उनकी अनुकूलन क्षमता के आधार पर प्रजातियों का चयन किया गया।
  - **वृक्षारोपण** केवल **वन भूमि** पर किया जाएगा, **मानव निवास या अतिक्रमण वाले क्षेत्रों से बचा** जाएगा।
  - जयपुर और सीकर जैसे **शुष्क क्षेत्रों** में पौधों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिये सावधानीपूर्वक रखरखाव के साथ दीर्घकालिक स्थिरता पर ज़ोर दिया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

देश का पहला ड्रोन-आधारित क्लाउड सीडिंग प्रयोग

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के राज्य कृषि विभाग ने क्षेत्र में जल संकट को दूर करने और रामगढ़ झील को पुनर्जीवित करने के लिये पहली बार ड्रोन-आधारित क्लाउड सीडिंग (कृत्रिम वर्षा) प्रयोग शुरू किया है।

मुख्य बिंदु

क्लाउड सीडिंग प्रयोग के बारे में:

- **उद्देश्य:**
  - इस प्रयोग का लक्ष्य वर्षा-मेघों में विशेष **रसायनों का छिड़काव** कर वर्षा को प्रेरित करना है, जिससे क्षेत्र की कृषि गतिविधियों को लाभ मिल सके।
    - यह **60-दिवसीय पायलट परियोजना** बादलों में जल-बूँदों के निर्माण को बढ़ावा देकर क्षेत्र में जल की कमी से निपटने का प्रयास है, जो क्षेत्रीय जल-अभाव को दूर करने हेतु चल रहे व्यापक प्रयास का हिस्सा है।
- **प्रयुक्त प्रौद्योगिकी:**
  - क्लाउड सीडिंग प्रक्रिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित प्लेटफॉर्म '**हाइड्रो ट्रेस**' द्वारा संचालित है, जो वास्तविक समय के आँकड़े, **उपग्रह चित्रण और सेंसर नेटवर्क** का उपयोग कर सही समय पर सही बादलों को लक्षित करता है।
- **अनुमोदन:**
  - इस तकनीक को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA), **भारत मौसम विज्ञान विभाग, ज़िला प्रशासन** तथा **कृषि विभाग** सहित कई संस्थाओं से अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

क्लाउड सीडिंग

- यह एक मौसम परिवर्तन तकनीक है, जिसके माध्यम से वर्षा की मात्रा बढ़ाने के लिये बादलों में सिल्वर आयोडाइड, पोटैशियम आयोडाइड या शुष्क बर्फ जैसे रसायनों का छिड़काव किया जाता है।
  - ये रसायन जल-बूँदों के निर्माण हेतु नाभिक का कार्य करते हैं, जिससे वर्षा होती है।
- यह तकनीक उच्च वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) की स्थिति में वायु प्रदूषण को कम करने में सहायक हो सकती है।
- क्लाउड सीडिंग से जल की उपलब्धता में वृद्धि होने के साथ-साथ आर्थिक, पर्यावरणीय तथा मानव स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी प्राप्त हो सकते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

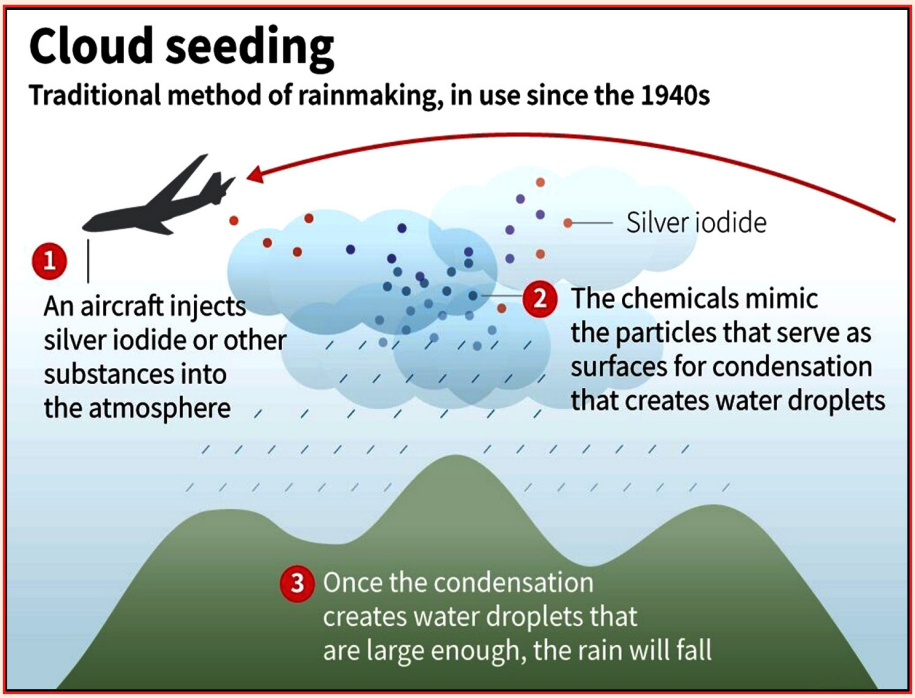

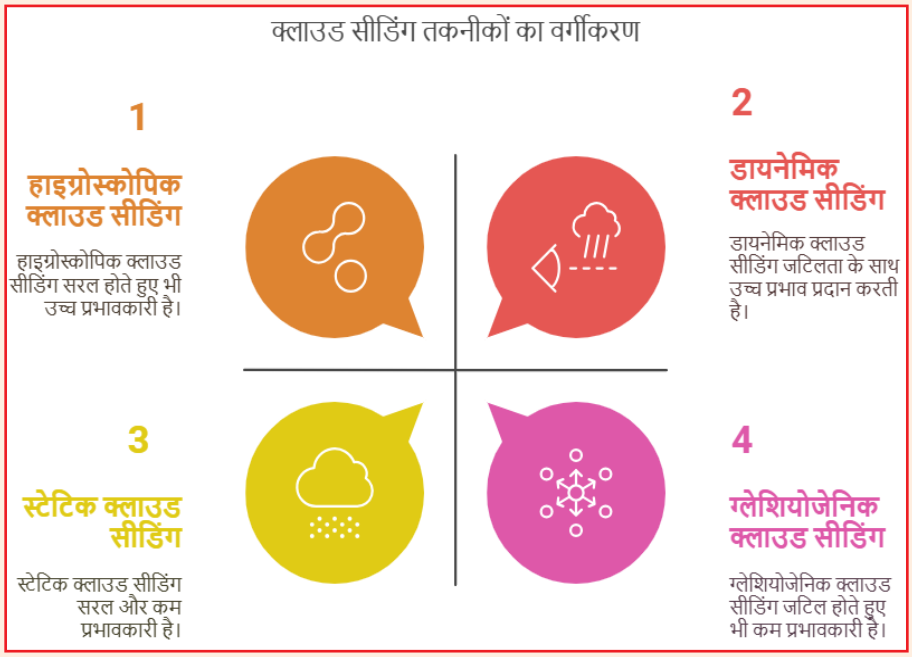

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

लेसर फ्लोरिकन संरक्षण संकट

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के नसीराबाद और अजमेर से आवारा कुत्तों को अनियंत्रित रूप से **अरवार संरक्षण रिज़र्व** के वन क्षेत्र में छोड़ा जाना, **लेसर फ्लोरिकन के लिये गंभीर खतरा** बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **जनसंख्या में गिरावट:** लेसर फ्लोरिकन (*Sypheotides indicus*), जो कभी राजस्थान के वर्षा-आधारित **घासभूमि क्षेत्रों** में सामान्य रूप से पाया जाता था, की संख्या में **97% की विनाशकारी गिरावट** आई है।
- वर्ष 2025 में अजमेर, केकड़ी और **शाहपुरा के प्रजनन स्थलों** पर केवल एक नर पक्षी देखा गया, जबकि वर्ष 2020 में इनकी संख्या 39 थी।
- **बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS)** द्वारा किये गए परिदृश्य सर्वेक्षण में इस प्रजाति की घटती संख्या को रेखांकित किया गया, जिसमें एकमात्र नर बंदनवाड़ा के पास देखा गया।

लेसर फ्लोरिकन (*Sypheotides indicus*)

- यह भारत में पाई जाने वाली **तीन स्थानिक बस्टर्ड प्रजातियों में से एक** है, अन्य दो प्रजातियाँ हैं- **बंगाल फ्लोरिकन** (गंभीर रूप से संकटग्रस्त) और **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** (गंभीर रूप से संकटग्रस्त)।
  - यह बस्टर्ड परिवार का सबसे छोटा पक्षी है तथा अपने विशेष उछलते हुए प्रजनन प्रदर्शन के लिये प्रसिद्ध है।
- स्थानीय भाषा में इसे '**तनमोर**' या '**खामोर**' कहा जाता है, जो 'मोर' शब्द से व्युत्पन्न है।
- यह मुख्य रूप से **राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात** में मनाया जाता है।
- **संरक्षण की स्थिति:**
- **IUCN स्थिति:** गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered)
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची I
- **CITES:** परिशिष्ट II

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर HIV-एड्स जागरूकता अभियान

चर्चा में क्यों ?

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त 2025) पर राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने जयपुर में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें राज्य के युवाओं में **HIV-एड्स** जागरूकता को बढ़ावा देने के लिये एक गहन **सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) अभियान** शुरू किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के बारे में:

- **स्थापना:** संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 1999 में
- **प्रारंभिक प्रस्ताव:** वर्ष 1991 में विश्व युवा मंच, वियना में युवा प्रतिभागियों द्वारा
- **आधिकारिक प्रस्ताव:** युवाओं के लिये ज़िम्मेदार मंत्रियों का विश्व सम्मेलन, लिस्बन (1998)
- **पहली बार मनाया गया:** 12 अगस्त, 2000
- **वर्ष 2025 की थीम:** *"SDG और उससे आगे के लिये स्थानीय युवा कार्य"*
  - चूँकि 65% से अधिक सतत् विकास लक्ष्य स्थानीय शासन से जुड़े हैं, इसलिये युवाओं की भागीदारी आवश्यक है।
- **उद्देश्य:**
  - विश्व में **युवा मुद्दों** पर ध्यान आकर्षित करना
  - सतत् विकास में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना
  - समाज में युवाओं के योगदान का उत्सव मनाना

एड्स

- एड्स एक दीर्घकालिक, जीवन-घातक स्थिति है, जो **मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस** (HIV) के कारण होती है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है तथा **CD4 कोशिकाओं** (श्वेत रक्त कोशिकाएँ, जो प्रतिरक्षा प्रणाली के लिये महत्त्वपूर्ण हैं) को निशाना बनाता है।
- यह असुरक्षित यौन संबंध, **संक्रमित रक्त** तथा संक्रमित सुई/सीरिंज के उपयोग से फैलता है।
- यद्यपि इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, किंतु एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) वायरस को नियंत्रित कर सकती है और CD4 कोशिकाओं को पुन: स्थापित करने में मदद करती है।
- **ग्लोबल एड्स अपडेट 2023** में नए संक्रमणों में आई गिरावट पर प्रकाश डाला गया है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक एड्स को समाप्त करना है।
- भारत में 2.5 मिलियन से अधिक लोग HIV से पीड़ित हैं तथा वर्ष 2010 से नए संक्रमणों में 44% की कमी आई है।

राष्ट्रीय युवा दिवस

- भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस हर वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है।
- वर्ष 1984 से यह दिवस इस उद्देश्य से मनाया जा रहा है कि युवा, विवेकानंद द्वारा अपनाये गये मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों को अपने जीवन में उतारें।
- स्वामी विवेकानंद का जन्म **12 जनवरी, 1863 को कोलकाता** में हुआ था।
- वे भारत के महान संन्यासियों में से एक माने जाते हैं, जिन्होंने **पश्चिमी जगत** को हिंदू धर्म **से परिचित** कराया।
- श्री रामकृष्ण परमहंस के शिष्य के रूप में उन्होंने औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रीय एकीकरण के लिये प्रयास किया और उन्हें देश में हिंदू धर्म को पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) की एक टीम ने प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (PM-श्री) योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिये जैसलमेर के विभिन्न स्कूलों का दौरा किया।

- टीम का उद्देश्य PM-श्री योजना के ज़मीनी स्तर पर कार्यान्वयन का आकलन करना, हितधारकों और लाभार्थियों के साथ जुड़ना, अच्छे तरीकों की पहचान करना, **क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करना** और योजना की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिये **साक्ष्य-आधारित दस्तावेज़ीकरण** के लिये इनपुट एकत्र करना था।

मुख्य बिंदु

पीएम श्री योजना के बारे में:

- **शुरुआत:** 7 सितंबर, 2022 (केंद्र प्रायोजित योजना)।
- **योजना की अवधि:** वर्ष 2022-23 से वर्ष 2026-27 तक।
- **कवरेज:** केंद्र, राज्य, केंद्रशासित प्रदेश सरकारों और स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित 14,500 से अधिक मौजूदा स्कूलों का विकास।
- **उद्देश्य:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करना और आसपास के संस्थानों को सलाह देते हुए मॉडल स्कूल के रूप में कार्य करना।
- **वित्तपोषण पैटर्न:**
  - केंद्र और विधानमंडल वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (जम्मू-कश्मीर को छोड़कर) के बीच 60:40 का अनुपात।
  - पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर के लिये 90:10।
  - विधानमंडल रहित केंद्रशासित प्रदेशों के लिये 100%।
- **PM-श्री स्कूलों की मुख्य विशेषताएँ:**
  - संचार, सहयोग और आलोचनात्मक सोच सहित **समग्र छात्र विकास** पर ध्यान।
  - अनुभवात्मक, पूछताछ-आधारित और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण विधियाँ। प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, कला कक्ष और **हरित पहल** (जल संरक्षण, अपशिष्ट पुनर्चक्रण) जैसी आधुनिक सुविधाएँ।
  - स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, एकीकृत विज्ञान लैब और अटल टिंकरिंग लैब जैसी सर्वोत्तम सुविधाएँ।
  - वास्तविक जीवन के शिक्षण परिणामों को प्राथमिकता देने वाला **योग्यता-आधारित मूल्यांकन**।

राजस्थान में सर्वश्रेष्ठ सरपंच

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मेहरानगढ़ किले में राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान टोंक ज़िले की आवां पंचायत के सरपंच दिव्यांश एम भारद्वाज को उनके अभिनव नेतृत्व और सामुदायिक पहल के लिये **राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ सरपंच** के पुरस्कार से सम्मानित किया।

- दिव्यांश 41 ज़िलों की 11,341 पंचायतों में से एकमात्र पुरस्कार विजेता हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **सहायक बुनियादी ढाँचे का निर्माण:** दिव्यांश के नेतृत्व में आवां पंचायत में परिवर्तनकारी परियोजनाएँ देखी गईं, जिनमें शामिल हैं:
  - लड़कों और लड़कियों के लिये इंटरनेट सुविधा सहित अलग-अलग वातानुकूलित पुस्तकालय।
  - दो श्मशान घाटों और एक **हेरिटेज पंचायत भवन** का निर्माण।
  - राजकालेश्वर तीर्थ पर बैंक्वेट हॉल और ड्रेसिंग रूम सहित घाट तथा मैरिज गार्डन का विकास।
- **क्षमता निर्माण:** उन्होंने कई प्रगतिशील पहलें क्रियान्वित की हैं, जैसे:
  - शैक्षिक उद्देश्यों के लिये छात्रों की हवाई यात्रा प्रायोजित करना।
  - *बालिका दिवस* पर एक छात्रा को सरपंच नियुक्त कर महिला नेतृत्व को बढ़ावा देना।
- **आदर्श:**
  - दिव्यांश की परियोजनाओं ने आवां को उत्कृष्टता के एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है। आवां पंचायत मॉडल को महाराष्ट्र में अनुकरण करने पर विचार किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025

- प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस (24 अप्रैल) पर **मधुबनी**, बिहार में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 प्रदान किये गए थे, जिनमें सभी 17 सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) को कवर करने वाले 9 स्थानीय विकास लक्ष्यों (LSDG) के साथ संरेखित शीर्ष प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को मान्यता दी गई।
- **राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों की विशेष श्रेणियाँ:**
  - **जलवायु कार्रवाई विशेष पंचायत पुरस्कार (CASPA):** जलवायु के प्रति संवेदनशील पंचायतों के लिये।
  - **आत्मनिर्भर पंचायत विशेष पुरस्कार (ANPSA):** स्वयं के स्रोत राजस्व (OSR) के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये।
  - **पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार (PKNSSP):** पंचायती राज प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिये।

राजस्थान का करियर मार्गदर्शन पोर्टल

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने **कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिये** एक नया **करियर मार्गदर्शन पोर्टल** प्रारंभ किया है। इस पोर्टल का उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर से संबंधित सहयोग, **संसाधन और सफलता का मार्गदर्शन** उपलब्ध कराना है।

मुख्य बिंदु

- **पोर्टल के बारे में:**
  - **रोजगार विकल्प:** अभियांत्रिकी, विधि, कृषि, मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी आदि 23 क्षेत्रों में 600 से अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सीवी निर्माण:** छात्र भावी नियोक्ताओं के समक्ष अपने कौशल और अनुभव को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिये पेशेवर **सीवी (CV)** बना सकते हैं।
- **इंटर्नशिप:** पोर्टल विभिन्न प्रकार के इंटर्नशिप कार्यक्रमों तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे छात्रों को अपने चुने हुए क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है।
- **व्यावसायिक प्रशिक्षण:** विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र हेतु बेहतर रूप से तैयार करने के लिये **व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और कौशल विकास अवसरों** तक पहुँच उपलब्ध कराई जाएगी।

- **करियर काउंसलिंग कैलेंडर:**
  - पोर्टल के अलावा, **राजस्थान शिक्षा विभाग ने** सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में **करियर काउंसलिंग सत्रों के लिये** एक वार्षिक कैलेंडर **जारी किया है**।
  - इन मासिक सत्रों में **समूह और अभिभावक चर्चा, सीवी निर्माण कार्यशाला, संगोष्ठियाँ, साक्षात्कार, करियर नियोजन तथा कौशल विकास गतिविधियाँ** सम्मिलित होंगी।
  - इससे यह सुनिश्चित होगा कि विद्यालय स्तर पर करियर मार्गदर्शन को सुव्यवस्थित रूप से एकीकृत किया जाए ताकि विद्यार्थियों को अपने करियर विकल्पों के संबंध में महत्त्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त हो सके।

राजस्थान की प्री-प्राइमरी कक्षाओं में संस्कृत

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिये संस्कृत को एक विषय के रूप में शुरू करने जा रही है। यह देश में पहली बार होगा, जिसका उद्देश्य **3 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों को** इस प्राचीन भाषा से परिचित कराना है।

मुख्य बिंदु

- **पाठ्यक्रम विकास:**
  - प्री-प्राइमरी छात्रों के लिये विशेष रूप से तैयार की गई **संस्कृत पुस्तकें** राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (RSCERT) द्वारा विकसित की गई हैं और इन्हें NCERT तथा राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है।
  - ये पुस्तकें **संस्कृत और हिंदी/अंग्रेज़ी दोनों माध्यम के सरकारी स्कूलों में** उपयोग हेतु तैयार की गई हैं, जो इस पहल के समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।
  - प्रत्येक पुस्तक में संस्कृत, हिंदी और अंग्रेज़ी में पढ़ाए गए शब्दों की सूची शामिल है, साथ ही बच्चों को अपनी मातृभाषा में शब्द लिखने का स्थान भी दिया गया है।
  - सामग्री में रोज़मर्रा की वस्तुओं **(संख्याएँ, पशु, पक्षी)** के चित्र और उनके साथ संबंधित संस्कृत शब्द शामिल हैं।
- **राज्य का दीर्घकालिक दृष्टिकोण:** राजस्थान में वर्तमान में **2,369 संस्कृत विद्यालय** हैं। यह परियोजना तीन चरणों में शुरू होगी:
  - **चरण 1:** 757 नए प्री-प्राइमरी संस्कृत विद्यालयों में संस्कृत की शुरुआत की जाएगी, जो एक महीने के भीतर खुलेंगे।
  - **चरण 2 और 3:** अगले वर्ष तक राजस्थान के 962 **महात्मा गांधी अंग्रेज़ी माध्यम स्कूलों (MGEMS)** और 660 पीएम-श्री स्कूलों में संस्कृत शुरू की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **NEP के साथ संरेखण:**
  - पुस्तकें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप हैं। इनमें अंक, सप्ताह के दिन, शरीर के अंग तथा नैतिक कहानियाँ जैसी अवधारणाएँ सम्मिलित की गई हैं।

संस्कृत भाषा

- यह एक **इंडो-आर्यन भाषा** है और इसे **सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक माना** जाता है।
- इसे भारत की **अधिकांश भाषाओं की जननी** भी कहा जाता है।
- इसकी उत्पत्ति लगभग **3,500 वर्ष पहले** भारत में मानी जाती है और इसे अक्सर **देववाणी** (देवताओं की भाषा) कहा जाता है।
- संस्कृत को दो भागों में विभाजित किया गया है:
  - **वैदिक संस्कृत:** संस्कृत का पुराना और अधिक प्राचीन रूप, जिसका प्रमाण ऋग्वेद, उपनिषदों तथा पुराणों में मिलता है।
  - **लौकिक संस्कृत:** संस्कृत का बाद का और अधिक मानकीकृत रूप, जो पाणिनि के व्याकरण पर आधारित है तथा साहित्य, दर्शन, विज्ञान तथा कला में प्रयुक्त होता है।

नोट:

- **संस्कृत** भारतीय **संविधान की आठवीं अनुसूची** में शामिल 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।
- इसे **तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगला** के साथ 11 **शास्त्रीय भाषाओं** में शामिल किया गया है।
- वर्ष 2010 में संस्कृत को **उत्तराखंड की दूसरी आधिकारिक भाषा** घोषित किया गया।
- कर्नाटक के **मत्तूर गाँव** में सभी लोग संस्कृत भाषा में संवाद करते हैं।

राजस्थान में 'भाषा प्रयोगशाला' की स्थापना

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं को विदेशी भाषा प्रशिक्षण देने के लिये '**भाषा प्रयोगशाला**' की स्थापना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **भाषा प्रयोगशाला के बारे में:**
  - **उद्देश्य:** यह प्रयोगशाला अंग्रेज़ी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (EFLU) तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) के सहयोग से स्थापित की जाएगी।
  - यह प्रयोगशाला **अंग्रेज़ी, फ्रेंच, स्पेनिश और जापानी** जैसी भाषाओं में प्रशिक्षण प्रदान करेगी ताकि युवाओं को इन भाषाओं में दक्षता हासिल करने में मदद मिल सके।
  - **युवाओं के लिये लाभ:** प्रयोगशाला में प्रदान किया जाने वाला भाषा प्रशिक्षण राजस्थान के युवाओं के कौशल को बढ़ाएगा, जिससे वे पर्यटन, व्यापार, **आईटी, शिक्षा और सेवा क्षेत्रों** में देश एवं विदेश दोनों स्तरों पर प्रतिस्पर्द्धी बन सकेंगे।
  - इस परियोजना का **उद्देश्य** युवाओं को भाषा कौशल **से युक्त करना** है ताकि वे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाज़ारों में रोज़गार के अवसर तलाश सकें।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (PMFME)

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (PMFME) के तहत जयपुर और राजस्थान के उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना या विस्तार के लिये 35% सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) भारत में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को वित्तीय, तकनीकी और व्यवसायिक सहयोग उपलब्ध कराने हेतु **प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (PMFME)** एक केंद्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **सब्सिडी विवरण:**
  - PMFME योजना नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिये पात्र परियोजना लागत का **35% या 10 लाख रुपये, जो भी कम हो**, की सब्सिडी प्रदान करती है।
  - यह वित्तीय सहायता **फलों और सब्ज़ियों, अनाज, डेयरी उत्पादों, तिलहन, पशु आहार, बेकरी उत्पादों तथा साबूदाना तथा हींग जैसे अन्य खाद्य उत्पादों** से संबंधित उद्योगों के लिये है।
- **आवेदन प्रक्रिया:**
  - आवेदकों को PMFME-MoFPI पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
  - इस योजना के लिये राज्य **नोडल एजेंसी जयपुर स्थित राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड** है तथा कृषि उपज मंडी समिति (APMC) ज़िला स्तरीय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है।
- **आवेदकों के लिये सहायता:**
  - सरकार ने आवेदकों को ऋण विवरण और योजना-संबंधी मार्गदर्शन सहित आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्रदान करने के लिये **ज़िला संसाधन व्यक्तियों (DRP)** की नियुक्ति की है।
- **पात्रता एवं आवश्यकताएँ:**
  - परियोजना लागत में भूमि लागत शामिल नहीं है तथा तकनीकी सिविल कार्य कुल परियोजना लागत के 30% से अधिक नहीं होना चाहिये।
  - यह योजना 31 मार्च, 2026 तक वैध है और इसका लक्ष्य अकेले जयपुर ज़िले में 634 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित करना है।

भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थिति

- **खाद्य प्रसंस्करण के बारे में:**
  - खाद्य प्रसंस्करण एक प्रकार का विनिर्माण है, जिसमें कच्चे माल को वैज्ञानिक ज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके **मध्यवर्ती खाद्य पदार्थों या खाद्य वस्तुओं** में बदला जाता है। यह तैयार उत्पाद की **भंडारण क्षमता**, सुवाह्यता, स्वाद और सुविधा में सुधार करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **महत्त्व:**
  - नवीनतम **वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI)** वर्ष 2019-20 के अनुसार, पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 12.2% व्यक्ति खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में कार्यरत थे।
  - प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात सहित कृषि-खाद्य निर्यात का मूल्य वर्ष 2021-22 के दौरान भारत के कुल निर्यात का लगभग 10.9% था।
- **सरकारी पहल:**
  - खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिये **स्वचालित मार्ग** के तहत 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति दी गई है।
  - मेगा फूड पार्क (MFP) तथा MFP में प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में निवेश हेतु किफायती ऋण उपलब्ध कराने के लिये राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) के साथ 2000 करोड़ रुपये का एक विशेष खाद्य प्रसंस्करण कोष स्थापित किया गया है।

जैसलमेर में जीवाश्मों की खोज

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के जैसलमेर ज़िले के **फतेहपुर में** एक तालाब की खुदाई कर रहे श्रमिकों को संभवत: 180 मिलियन वर्ष पूर्व जुरासिक काल के एक पंख वाले सरीसृप के जीवाश्म मिले हैं, जो पश्चिमी भारत के जीवाश्म परिदृश्य को पुन: परिभाषित कर सकते हैं।

मुख्य बिंदु

- **जीवाश्म के बारे में:**
  - ग्रामीणों ने एक **"विशाल अस्थि-सदृश संरचना"** तथा **लकड़ी के समान कठोरता वाले पत्थर** के जीवाश्म खोजे हैं।
  - भूवैज्ञानिकों के अनुसार यह जीव लगभग 8 से 10 फीट लंबा रहा होगा, जबकि प्राप्त संरचना की लंबाई 6 से 7 फीट है।
  - विशेषज्ञों का मानना है कि ये **अवशेष** कशेरुकी जीवों (vertebrates) के जीवाश्म हो सकते हैं, सम्भवत: किसी उड़ने वाले शाकाहारी डायनासोर के।
- **महत्त्व:**
  - ये जीवाश्म संभवत: जैसलमेर के **लाठी संरचना (Lathi Formation)** में खोजे गए पहले उड़ने वाले सरीसृप का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - लाठी संरचना अपने प्रचुर **जीवाश्म भंडार** के लिये प्रसिद्ध है, जो **जुरासिक काल** (लगभग 180 से 200 मिलियन वर्ष पूर्व) के दौरान जीवन के बारे में **महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है।**
  - यह खोज इस क्षेत्र के जीवाश्म मानचित्र में एक नया आयाम जोड़ेगी और अकाल व थायत क्षेत्र में मिले पूर्ववर्ती जीवाश्मों को भी संपूरित करेगी, जिन्हें **डायनासोर युग** से संबद्ध माना जाता है।
  - भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) की टीमें जीवाश्मों की सटीक आयु तथा प्रजाति का पता लगाने के लिये उनकी विस्तृत जाँच करेंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस

चर्चा में क्यों ?

पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस 10 दिसंबर, 2025 को **जयपुर** में मनाया जाएगा, जो **राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव** के साथ आयोजित होगा, ताकि अन्य राज्यों और देशों में रहने वाले राजस्थानी प्रवासियों के योगदान को सम्मानित किया जा सके।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह एक दो **दिवसीय सम्मेलन (कॉन्क्लेव)** है, जिसे **वर्ष 2024 के** राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के फॉलो-अप के रूप में आयोजित किया गया है, जिसमें प्रमुख घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्थानों पर पहले से ही निवेशक प्रदर्शनियाँ (investor roadshows) आयोजित की जाएँगी।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को प्रोत्साहन प्रदान करना** और राज्य के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एवं बहुपक्षीय संगठनों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करना है।
- **कार्यक्रम:** राज्य सरकार **प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार** प्रदान करेगी। यह पुरस्कार **गैर-निवासी राजस्थानीयों (NRR)** को उनके व्यवसाय, विज्ञान, कला, उद्योग, परोपकार, सामाजिक सेवा और संगीत में वैश्विक उपलब्धियों के लिये दिया जाएगा।
- **महत्त्व:** यह कार्यक्रम राजस्थानी प्रवासी समुदाय की उपलब्धियों का उत्सव मनाने और **रणनीतिक औद्योगिक सहयोग** को प्रोत्साहन प्रदान करने का एक मंच प्रदान करेगा।
  - यह गैर-निवासी राजस्थानीयों (NRR) को अपनी जड़ों से पुन: जुड़ने और राज्य की वृद्धि तथा विकास में निवेश करने का अवसर प्रदान करेगा।
  - यह कार्यक्रम राज्य सरकार की NRR नीति 2025 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य प्रवासी समुदाय के साथ सतत् सहभागिता सुनिश्चित करना और निवेश के लिये एक सहायक वातावरण बनाना है।
- **अन्य उपाय:** राजस्थान सरकार (GoR) ने मार्च 2001 में **'राजस्थान फाउंडेशन (RF)'** की स्थापना की थी, जो **राजस्थान सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958** के तहत गैर-निवासी राजस्थानीयों (NRR) के साथ स्थायी और सार्थक संबंध बनाए रखने के लिये की गई थी।

प्रवासी भारतीय दिवस (PBD)

- **परिचय:** प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) प्रत्येक दो वर्ष में 9 जनवरी को मनाया जाता है, ताकि भारतीय प्रवासी **(इंडियन डायस्पोरा) समुदाय** के अपने मातृभूमि के प्रति योगदान का उत्सव मनाया जा सके।
  - 18वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन (PBD) 8 से 10 जनवरी, 2025 तक ओडिशा द्वारा आयोजित किया गया, जिसका विषय था 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीय समुदाय का योगदान' (Diaspora's Contribution to a Viksit Bharat)।
- **पृष्ठभूमि एवं इतिहास:** यह द्विवार्षिक उत्सव 1915 के उस दिन की स्मृति में मनाया जाता है, जब महात्मा गांधी, जो सबसे महान प्रवासी (माइग्रेंट) थे, दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे ताकि देश की **स्वतंत्रता संग्राम** का नेतृत्व कर सकें।
- **PBD सम्मेलन:** PBD सम्मेलन की स्थापना सबसे पहले वर्ष 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के तहत की गई थी, ताकि विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय को सम्मानित करने और उनके साथ जुड़ने के लिये एक मंच प्रदान किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (PBSA):** यह पुरस्कार, प्रवासी भारतीय कार्यक्रम के तहत प्रदान किया जाता है और यह गैर-निवासी भारतीय (NRI), **भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO)** या उनके द्वारा स्थापित और संचालित संगठन या संस्थान को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।
  - यह पुरस्कार प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को सम्मानित करने के लिये दिया जाता है, ताकि विदेशों में भारत की बेहतर समझ बनाई जा सके, भारत के उद्देश्यों का समर्थन किया जा सके और स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण हेतु कार्य किया जा सके।

विलायती बबूल का उन्मूलन

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के पंचायती राज मंत्री ने **पंचायती राज एवं वन विभाग** को 'विलायती बबूल' (Prosopis Juliflora) का जड़ सहित पूरी तरह उन्मूलन के लिये निर्देश दिये हैं।

मुख्य बिंदु

- **विलायती बबूल के बारे में:**
  - इसे स्थानीय रूप से ***विलायती कीकर*** **अथवा** ***गांडो बावल*** कहा जाता है। यह एक आक्रामक विदेशी वनस्पति प्रजाति है, जिसका मूल स्थान मैक्सिको, दक्षिण अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र है।
    - वर्तमान में यह भारत के शुष्क और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में व्यापक रूप से पाई जाती है।
- **प्रभाव:**
  - इसका तीव्र प्रसार स्थानीय **वनस्पतियों की वृद्धि को बाधित** करता है और मृदा की उर्वरता को नष्ट कर कृषि उत्पादकता को कम कर देता है।
  - इसका विस्तार **चरागाहों को नष्ट कर देता** है, जिससे पशुधन के लिये चारा उपलब्ध कराना कठिन हो जाता है और **अन्य अवांछित पौधों के फैलाव को बढ़ावा** मिलता है।

आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ (Invasive Alien Species - IAS)

- आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ वे **गैर-देशज जीव** (पौधे, जंतु, कवक अथवा सूक्ष्मजीव) हैं जिन्हें उनके प्राकृतिक क्षेत्र से बाहर लाया गया है और जो वहाँ स्थायी रूप से फलते-फूलते हुए अपनी जनसंख्या स्थापित कर लेते हैं।
- ये प्रजातियाँ स्थानीय प्रजातियों को पीछे छोड़कर **प्रतिस्पर्द्धा में आगे निकल जाती हैं**, पारितंत्र को बाधित करती हैं तथा **पारिस्थितिकीय, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर प्रभाव डालती हैं।**
- जैवविविधता पर कन्वेंशन (CBD) के अनुसार, IAS वे प्रजातियाँ हैं जो नए क्षेत्र में "पहुँचने, जीवित रहने और फलने-फूलने" की क्षमता रखती हैं तथा प्राय: संसाधनों के लिये स्थानीय प्रजातियों को प्रतिस्पर्द्धा से बाहर कर देती हैं।
- **भारत में** वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत IAS को ऐसी गैर-देशज प्रजातियों के रूप में परिभाषित किया गया है, जो वन्यजीव अथवा उनके आवास के लिये खतरा उत्पन्न करती हैं।
- **भारत में अन्य आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ:** अफ्रीकी कैटफिश, नील तिलापिया, लाल-बेलदार पिरान्हा, एलीगेटर गार, **रेड-ईयर स्लाइडर** (उत्तरी अमेरिकी कछुआ) जैसी पशु प्रजातियाँ तथा **लैंटाना और जलकुंभी** जैसे पौधे भारत में सबसे व्यापक आक्रामक प्रजातियों में से हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME